टीकमगढ़

नवभारत
भोपाल, शनिवार, 04 अप्रैल 2026

एक नजर में

नरवाई जलाना होगा पूर्णत : बंद

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। कलेक्टर एवं जिला-दण्डाधिकारी टीकमगढ़ विवेक श्रोत्रिय द्वारा जारी आदेशानुसार जिले की राजस्व सीमा में फसल अवशेष नरवाई, पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश पर्यावरण संरक्षण ,जन स्वास्थ्य एंव कानून -व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। मध्यप्रदेश वायु (प्रदूषण निवारण एंव नियंत्रण) अधिनियम के अंतर्गत नरवाई जलाने पर निम्नानुसार अर्थदण्ड निर्धारित है, **2 एकड़ तक 2500 रूपये प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ 5000 प्रति घटना, 5 एकड़ से अधिक 15000 एकड़ से अधिक 15000 प्रति घटना है।**

जिले में फसल कटाई के पश्चात खेतों में अवशेषो जलाने की प्रथा से वायु प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी की उर्वरता घटती है, उपयोगी सूक्ष्म जीव नष्ट होते है, तथा पशुओं के चारे की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त आग फेलने से जन-धन एंव प्राकृतिक संपदा को भी गंभीर नुकसान हो सकता हैं। जिले के समस्त किसानों से अपील है कि वे नरवाई, पराली न जलाएं एंव इसके वैज्ञानिक प्रबंधन के उपाय अपनाए जैसेकृ हैप्पी सीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम एसएमएस का उपयोग, अवशेषों को खेत में मिलाकर तकनीकी अपनाएं।

अध्यक्ष के वार्ड की सड़कें बारिश के पहले ही हुईं खस्ताहाल

नगर पालिका के घटिया निर्माण की खुल गई पोल

कुछ माह में ही सीसी सड़कों की गिट्टी निकली बाहर

(आमिर खान)

नवभारत न्यूज, टीकमगढ। नगर विकास को लेकर शहर की सरकार भले ही बड़े-बड़े दावे कर ले, लेकिन हकीकत कुछ और ही यहां तो शहर सरकार में बैठे अध्यक्ष के ही वार्ड की सड़कें बारिश के पहले उखड़ना शुरू हो गई हैं। **इतना ही नहीं कई सड़कें ऐसी हैं, जहां चार पहिया वाहन भी नहीं गुजरते वह भी घटिया निर्माण कार्य की अब पोल खोलते दिखाई दे रही हैं। हालांकि इन सड़कों के घटिया निर्माण को लेकर नगर पालिका के जिम्मेदार सिर्फ कार्यवाही की बात कर मामले को ठंडे बस्ते में डालते नजर आते हैं।**

नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई वार्डों में करोड़ों रुपए खर्च कर सीसी सड़कें डलवाने का कार्य जोरों-शोरों से हुआ। यहां बैठे जिम्मेदारों ने निर्माण कार्य शुरू होने के पहले कई दावे किए और खूब तारीफें बटोरी, परन्तु अब इन सड़कों की हालत ऐसी है कि यह अपने स्वयं

बदान मोहल्ला की सीसी सड़क

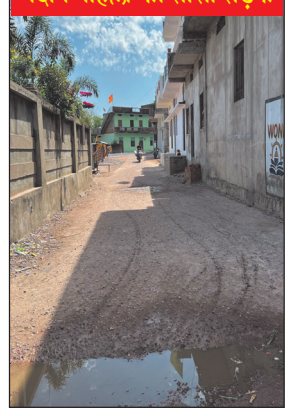

पंगु खान के घर वाली गली

कंट्रोल रूम के सामने वाली सड़क

के घटिया निर्माण कार्य की पोल खोलते दिखाई दे रही हैं।

नगर पालिका के कई वार्डों में लोगों ने यह शिकायत दर्ज कराई है कि उनके वार्डों में बनाई गई सड़कें बारिश के पहले उखड़ना शुरू हो गई हैं। इतना ही नहीं नगर पालिका के अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार जिस वार्ड से चुनकर आए थे वहां भी घटिया निर्माण की तस्वीरें उजागर हुई हैं। इनके वार्ड की गलियों की हालत यह है कि यहां भले ही चार पहिया वाहन न गुजरते हों, लेकिन दो पहिया वाहन गुजरने से कुछ माह पूर्व बनाई गई सड़कें बदहाली के आंसू रोने लगी हैं। सड़कों के बीच से गिट्टी उखड़कर ऊपर आ चुकी हैं, किन्तु इस ओर अध्यक्ष का ध्यान नहीं जा रहा है। जबकि वह उसी वार्ड 22 से चुनकर आए हैं जहां की स्थिति दयनीय है। वे सिर्फ इस बात खुश हैं कि उनके कार्यकाल में सीसी सड़क वार्ड में डाली गई, परन्तु भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण की उन्हें कोई चिंता नहीं हैं।

इतना ही नहीं नगर के मोटे के मोहल्ले में पंगु की गली वाली सड़क तो इतनी सकरी है कि यहां दो मोटरसाईकिलें भी एक साथ नहीं निकाली जा सकती इसके बावजूद यहां की सड़क भी उखड़ने लगी है। अब आप सोचिए कि यहां से अगर भारी वाहन गुजरते तो हालात क्या होते। इसके साथ ही शहर के पुलिस कंट्रोल रूम के सामने से निकलने वाली गली में कुछ माह पूर्व ही सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था, जो बेहद घटिया था। इस कारण यहां की सड़क भी उखड़कर खराब हो चुकी हैं। यहां तो सड़क में गड्ढे भी हो गए हैं। हालांकि इन सभी मार्गों की जानकारी सीएमओ ओमपाल भदौरिया के पास है, उन्होंने कहा है कि आपके द्वारा जानकारी दी गई है। मौके पर जांच कराई जाएगी यदि गुणवत्ता खराब पाई गई तो कार्यवाही होगी।

निर्माण कार्य को देखने नहीं जाते अधिकारी

दरअसल टीकमगढ़ नगर में जो घटिया निर्माण की तस्वीरें अब सामने आ रही हैं उनमें सबसे बड़ा कारण नगर पालिका में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों हैं। क्योंकि जिनको इन सड़क निर्माण कार्य की देखरेख के लिए रखा जाता है वह मौके पर नहीं जाते और फिर ठेकेदार अपनी मनमानी करते हुए घटिया निर्माण कराकर भ्रष्टाचार कर डालता है और इसका खामियाजा नगर की जनता भुगत रही है। इतना ही नहीं सड़क निर्माण में नपा की कमीशनखोरी और अधिक बिलो रेट भी शामिल हैं। ठेकेदार जब ज्यादा कमीशन देंगे तो निश्चित ही वह घटिया काम करेंगे।

डस्ट का प्रयोग करने से खराब हो गईं सड़कें

शहर के कई जानकारों से जब यह चर्चा की गई कि कुछ माह के अंदर सीसी सड़कें क्यों उखड़ने लगी हैं, तो बताया गया कि नगर में जितनी भी सीसी सड़कों का निर्माण हो रहा है उनमें पूरी तरह डस्ट का उपयोग होता है। रेत नाम का कोई शब्द ही नहीं तो सड़कें उखड़ना लाजमी है। जानकार कहते हैं की डस्ट से बनाई गई सड़क माह तो ठीक कुछ दिन में ही धूल उड़ाने लगती है। यहां सवाल यह है कि जब सड़क निर्माण में डस्ट का पूर्ण उपयोग बंद है तो यहां टीकमगढ़ नगर के वार्डों में डस्ट का उपयोग किसके कहने पर कराया जा रहा है। इंजीनियर कहां गायब हैं?

तेज तूफान के साथ बदला मौसम

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। टीकमगढ़ में मौसम में लगातार बदलाव दर्ज किया जा रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे तेज आंधी के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। शुक्रवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं।

इस मौसमी बदलाव के कारण रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट आई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को भी हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसारए बुधवार को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री था जो गुरुवार को बढ़कर 38.8 डिग्री हो गया। वहींए बुधवार रात का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री थाए जो गुरुवार रात घटकर 21.8 डिग्री दर्ज किया गया।

पिछले एक हफ्ते से जारी मौसम के उतार-चढ़ाव से उन किसानों को परेशानी हो रही हैए जिनकी गेहूं की फसल अभी खेतों में कटाई के लिए बची है। हालांकिए जिले में 80 प्रतिशत से अधिक गेहूं की फसल की कटाई पहले ही पूरी हो चुकी है।

किसान महिपाल सिंह ने बताया कि बारिश और आंधी के कारण खेतों में रखा भूसा खराब हो रहा है। बूंदाबांदी से इस बार गेहूं की चमक फीकी पड़ गई है और कुछ गेहूं काला भी पड़ने लगा है। चमक फीकी पड़ने के कारण मंडियों में गेहूं के कम दाम मिल रहे हैं। किसानों की चिंता यह भी है कि अभी तक सरकारी खरीदी शुरू नहीं हुई है।

किसानों की नहीं धन्नासेठों की है सरकार : विधायक

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। टीकमगढ़ से कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेस कर गेहूं खरीदी में हो रही देरी को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताते हुए कई आरोप लगाए।

विधायक यादवेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा खुद को किसान हितैषी बताती है, लेकिन असल में यह धन्नासेठों की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर सरकारी खरीदी की तारीख बढ़ा रही है ताकि मजबूर होकर किसान अपना गेहूं व्यापारियों को रुपए 1800 प्रति क्विंटल जैसे कम दामों पर बेच दें।

विधायक ने बताया कि किसान इस वक्त हर तरफ से परेशान है। एक तरफ फसल खरीदी नहीं हो रहीए वहीं दूसरी तरफ बिजली कंपनी बिल वसूली के लिए कुर्की कर रही है और बैंक भी कर्ज वसूली में कोई ढील नहीं दे रहे।

प्रदेश में बोरों बारदाने की भारी कमी है। साथ ही एक एकड़ में सिर्फ 5 क्विंटल गेहूं खरीदने की सीमा तय कर दी गई है, जबकि पैदावार 15-18 क्विंटल तक होती है। उन्होंने सवाल किया कि बाकी का गेहूं किसान कहां ले जाए।

विधायक ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस बयान पर भी आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने किसानों की आय 10 गुना बढ़ाने का दावा किया था।

यादवेंद्र सिंह ने चुनौती देते हुए कहा कि सरकार ऐसे किसानों के नाम बताए जिनकी कमाई इतनी बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में गलत आंकड़े पेश किए जा रहे हैं।

विधायक ने साफ कहा कि सरकार की नीयत साफ नहीं है और वह किसानों को व्यापारियों के भरोसे छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है।

पेयजल स्त्रोत का हुआ परीक्षण

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। जिला कलेक्टर के निर्देशन में कार्यपालन यंत्री अनिल लगरखा के मार्गदर्शन में जलगंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मे द्वारा ग्राम बड़ोंरा घाट मे प्रा. शाला और आगंनबाडी केंद्र मे पेयजल स्रोत का एफटीके के माध्यम से परीक्षण किया गया एवं 5 महिलाओ को प्रशिक्षण दिया गया जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह पहल ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरुक करने के उद्देश से की गई। आगे भी ऐसा किया जाएगा।

कार्यक्रम में बच्चों को सिखाये आपदा से बचने के गुर

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। ग्वारहवीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ वाराणसी के मनोज कुमार शर्मा उप-महानिरीक्षक के दिशा-निर्देशन में आपदा प्रबंधन एवं प्रशिक्षण हेतु वृहद पैमाने पर सामुदायिक जागरूकता, स्कूल सुरक्षा एवं क्षमता निर्माण के कार्यक्रम के अभियान चला रही है।

इसी क्रम में आज राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ वाराणसी के निरीक्षक श्रीनिवास मीना एवं उनकी टीम के द्वारा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संस्थान आईटीआई में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आपदा प्रबंधन के तकनीकों को टीम द्वारा डेमोंसट्रेशन, क्रियान्वित किया गया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत आपदाओं से बचने व उसके नुकसान को कम करने के तरीके बताये गये।

दो आदतन अपराधी हुए जिला बदर

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट विवेक श्रोत्रिय ने पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर सिंह मंडलोई की अनुशंसा पर दो आदतन अपराधियों को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर घोषित किया है।

तदनुसार प्रेमचन्द्र उर्फ बड़े यादव पिता फूलसिंह यादव उम्र 26 साल निवासी ग्राम रूपगंज थाना चंदेरा तथा फूलसिंह यादव पिता रति यादव उम्र 52 साल निवासी ग्राम रूपगंज थाना चंदेरा जिला टीकमगढ़ को तीन माह की अवधि के लिये जिला टीकमगढ़ एवं समीपवर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर चले जाने तथा इस अवधि में इन जिलों की राजस्व सीमाओं में लौटकर प्रवेश नहीं करने का आदेश दिया गया है। बताया गया है कि और भी अपराधियों को चिह्नित कर जिला बदर किया जाएगा।

आज से इलाही शाह बाबा की दरगाह का उर्स मुबारक शुरू

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। शहर में आस्था और सूफियाना रंग का अनोखा संगम देखने को मिलेगा जब हजरत दाता इलाही शाह बाबा का 84वां उर्स मुबारक बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर 4, 5 एवं 6, 7 अप्रैल को चार दिवसीय भव्य उर्स का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दो दिवसीय कव्वाली मुकाबले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश के नामी कव्वाल अपनी आवाज़ का जादू बिखेरेंगे।

उर्स कमेटी के मीडिया प्रभारी आमिर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 4 अप्रैल से होगी, जहां पहले दिन बाबा की दरगाह का गुस्ल, दूसरे दिन चादर पेश की जाएगी। साथ ही तीसरे दिन 6 अप्रैल को मशहूर कव्वाल अमन साबरी मुंबई अपनी

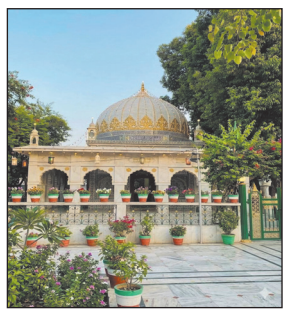

सूफियाना कव्वालियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। अमन साबरी अपनी दमदार आवाज और पारंपरिक अंदाज़ के लिए जाने जाते हैं, जिनकी प्रस्तुति का इंतजार श्रोता बेसब्री से कर रहे हैं।

वहीं अंतिम दिन 7 अप्रैल को कव्वाली का असली मुकाबला देखने को मिलेगा। इस दिन प्रसिद्ध कव्वाल जुनेद सुल्तानी और गुलाम वारिश के बीच जबरदस्त मुकाबला होगा। दोनों ही कलाकार अपने-अपने अंदाज़ और सूफी रंग के लिए जाने जाते हैं, जिससे यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

उर्स के दौरान दरगाह परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा और दूर-दूर से आने वाले जायरीन के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। साथ ही सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन और उर्स कमेटी पूरी तरह सतर्क है।

यह उर्स मुबारक न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि शहर की गंगा-जमुनी तहजीब और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश देता है। हर साल की तरह इस बार भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उर्स कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं और शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पवित्र आयोजन में शामिल होकर सूफियाना माहौल का आनंद लें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। पुलिस भी इस कार्यक्रम को लेकर अपनी तैयारी में जुट गई है।

विधायक बोले क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी

नगर पालिका अध्यक्ष ने विधायक के कार्य को सराहा

सामुदायिक भवन से अब लोगों को मिलेगी सुविधा

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। शहर के बड़े तालाब के पास स्थित बाईपास क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 में आज विकास कार्यों को नई गति देते हुए सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सामुदायिक भवन विधायक निधि से निर्मित किया जाएगा, जिसका भूमिपूजन कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह द्वारा विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक, संगठन महासचिव संजय नायक, सूर्य प्रकाश मिश्रा, गौरव शर्मा, अनीश अहमद, अंशुल जैन, अरविंद रजक, दिलीप रजक, रामकुमार यादव एवं नीतेश बिलगैयां सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक यादवेंद्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और यह सामुदायिक भवन स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि भवन के निर्माण के बाद यहां सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक सुसज्जित स्थान उपलब्ध होगा।

नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक ने भी इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस भवन के निर्माण से वार्ड क्रमांक 2 सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी और सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होकर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया जाएगा।

कुल मिलाकर, यह भूमिपूजन कार्यक्रम टीकमगढ़ शहर में विकास कार्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा हैए जिससे आने वाले समय में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच मिलेगा।

आगजनी आगजनी की घटना से मची अफरा-तफरी

कपड़ा शो-रूम में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंची दमकल ने पाया काबू

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे कलेक्टरेट रोड़ पर चकरा तिराहा के पास रेडीमेड कपड़ा शोरूम में आग लग गई। दुकान से धुआं उठता देख आसपास हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे शोरूम को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में शोरूम के अंदर रखे कपड़े और अन्य सामान जलकर खाक होने लगे। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें इतनी भयंकर थीं कि उन पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आग तेजी से फैलकर बगल की फर्नीचर की दुकान तक भी पहुंच गई। शोरूम के अंदर रखे कपड़े और अन्य सामान जलकर खाक होने लगे।

सूचना मिलते ही दमकल टीम मौके पर पहुंची। हालांकि नगर पालिका की दो फायर ब्रिगेड में से एक खराब होने के कारण आग बुझाने में बाधा आई। इसके बाद आसपास की नगर परिषदों से अतिरिक्त फायर ब्रिगेड बुलाई गई।

फिलहाल प्रशासनिक अमला दमकल टीम और पुलिस के जवान मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने का प्रयास जारी है। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

ज्ञात रहे कि हर वर्ष गर्मी के इसी मौसम में आगजनी जैसी घटनाएं सामने आती हैं। हर बार प्रशासन यह तय कर देते है कि शहर के बीचों-बीच ज्वलनशील पदार्थों के गोदाम संचालित नहीं होगें, किन्तु यह गोदाम नगर में ही संचालित होते हैं। नगरवासियों ने इस बार फिर प्रशासन से अपील की है कि नगर के लुकमान चौराहा से लेकर शक्ति टॉकीज रोड़ तक बीच बाजार में ज्वलनशील पदार्थों के बड़े-बड़े गोदाम है, जिन्हें कहीं और सिफ्ट कराया जाए। लोगों को मानना है कि यह खतरे से खाली नहीं है। कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्योंकि पहले भी शहर के मजदूर चौराहे पर कपड़ों के शो-रूम में आग लगी थी। साथ ही कटरा बाजार में भी ज्वलनशील पदार्थ के गोदाम में आग लग गई थी, यह आग कई दिनों बाद बुझ पाई थी। पूरे नगर में अफरा-तफरी का माहौल भी बना था। नगर के लोगों ने टीकमगढ़ के कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय से अपील की है कि ऐसे ज्वलनशील पदार्थ के गोदामों को चिह्नित कर नगर से बाहर कराऐं।

थाना प्रभारी ने तोड़ा दरवाजा

चकरा तिराहा पर कपड़े के शो-रूम में आग की सूचना लगते ही नगर के कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक एवं सीएमओ ओमपाल भदौरिया मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान नगर निरीक्षक रवि भूषण ने लोहे की रॉड से आगजनी वाले मकान के दरवाजे को बाहर तोड़ने का कार्य किया।

अब बोरिंग कराने पर लगा दिया प्रतिबंध

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विवेक श्रोत्रिय ने आगामी वर्षाकाल आरंभ होने की कालावधि 15 जुलाई 2026 तक के लिये जिले के संपूर्ण क्षेत्र एवं परिसीमा को मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है।

जिले की भौगोलिक सीमा के अंदर सक्षम अधिकारी की अनुज्ञा के बगैर किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप खनन नहीं करेगा। अधिनियम के प्रावधान लागू होने की तिथि से कोई भी व्यक्ति पेयजल स्त्रोत तथा समस्त नदी, नालों, तालाबों बाबड़ियों आदि जल-स्त्रोतों का उपयोग सिंचाई, व्यावसायिक प्रयोजन हेतु पेयजल स्त्रोत, हैण्डपंप, नलकूप आदि के 150 मीटर की परिधि में निजी उद्देश्यों के लिये हैण्डपंप अथवा ट्यूबबैल खनन नहीं करे।

मृत व्यक्तियों के परिजनों को दी सहायता राशि

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के आदेशानुसार हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना प्रतिकार योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के परिजन को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।

तदनुसार बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खेवा, तहसील खरगापुर निवासी स्वर्गीय गयासीलाल बंशकार, उम्र 51 वर्ष का 18 अप्रैल को किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान 19 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई थी।

इसी प्रकार थाना बल्देवगढ़ के आधार पर 179 वार्ड 12, मनु बस्ती बैसा ऊगड़ जिला टीकमगढ़ निवासी स्वर्गीय श्रीमती राजकुमार अहिरवार उम्र 46 वर्ष की 5 जनवरी 2025 को किसी अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। घटना की रिपोर्ट थाना बल्देवगढ़ में दर्ज की गई थी।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बल्देवगढ़ एवं तहसीलदार बल्देवगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन तथा पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रकरण प्रस्तुत किया गया। परीक्षण उपरांत मृतक स्वर्गीय गयासीलाल बंशकार की पत्नी श्रीमती कोमल बाई को तथा मृतक स्वर्गीय श्रीमती राजकुमारी अहिरवार के पति श्री हरप्रसाद अहिरवार को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा है कि लोगों के जीवन को वापिस तो नहीं लाया जा सकता, लेकिन शासन के द्वारा बनाई गई योजनाओं से उनके परिजनों की आर्थिक मदद की जा सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग मामलों में शासन द्वारा दी जाने वाली राशि दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों के लिए स्वीकृत करने का कार्य किया गया है।